समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

बूंद-बूंद पानी को तरस रहा पाकिस्तान, सिंधु जल संधि पर भारत का बड़ा कदम, चीन ने मिलाया हाथ – बढ़ेगा क्षेत्रीय तनाव ?

Publisher

Published on 16 Jul 2025

नई दिल्ली/इस्लामाबाद : जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए भीषण आतंकी हमले में 26 निर्दोष नागरिकों की हत्या के बाद भारत ने **पाकिस्तान को जिम्मेदार** ठहराते हुए बड़ा कदम उठाया है। भारत ने **1960 से लागू सिंधु जल संधि (Indus Water Treaty)** को **स्थगित करने** का निर्णय लिया है। इस कदम के बाद पाकिस्तान में **जल संकट और बढ़ गया है**, और उसकी बौखलाहट अब वैश्विक मंच पर दिखाई देने लगी है।

भारत ने सिंधु जल संधि पर दिखाई सख्ती

सिंधु जल संधि के तहत भारत पाकिस्तान को तीन प्रमुख नदियों – **सिंधु, झेलम और चिनाब** – का पानी प्रदान करता है। इस समझौते के स्थगन से पाकिस्तान की **कृषि, उद्योग और पीने के पानी की सप्लाई** पर सीधा असर पड़ सकता है, खासतौर पर तब जब पाकिस्तान की लगभग **65% आबादी सिंधु बेसिन** में निर्भर है।

चीन की एंट्री : मोहमंद डैम और भारत पर दबाव

अब इस पूरे घटनाक्रम में **चीन** की **रणनीतिक एंट्री** ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। चीनी मीडिया ने भारत को "आक्रामक" करार देते हुए कहा है कि यदि भारत **पानी को हथियार** की तरह इस्तेमाल करता है, तो इसके परिणाम "गंभीर" हो सकते हैं।

- चीन ने सिंधु की सहायक नदी पर **मोहमंद डैम प्रोजेक्ट** को तेजी से आगे बढ़ाने का एलान किया है।
- यह डैम **पाकिस्तान को लाभ** और भारत पर **रणनीतिक दबाव** बढ़ा सकता है।
- उल्लेखनीय है कि **सिंधु नदी का स्रोत** तिब्बत (चीन) में है, जो इस विवाद को **भौगोलिक रूप से संवेदनशील** बनाता है।

भारत की स्थिति : अब 'उदार रवैया' खत्म ?

भारतीय जल विशेषज्ञों का मानना है कि सिंधु जल संधि में **पाकिस्तान के पक्ष मे असमानता** रही है:

- पाकिस्तान को कुल जल प्रवाह का **80% से अधिक** पानी मिलता है।
- जबकि भारत को केवल 20% पानी उपयोग करने का अधिकार मिला है, जबकि इसकी आवश्यकता और जलवायु

परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं।

क्या बढ़ेगा भारत-चीन-पाक तनाव ?

भारत, पाकिस्तान और चीन के बीच सिंधु जल को लेकर बन रही **नई ध्रुवीकरण** की स्थिति चिंता का विषय है:

- भारत ने पाकिस्तान के आतंकी रवैये के जवाब में अब **जल नीति को कूटनीतिक हथियार** बना लिया है।
- वहीं, चीन का खुलेआम पाकिस्तान के पक्ष में आना क्षेत्र में **त्रिकोणीय तनाव** को जन्म दे सकता है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.